

## असामान्य ठंड और वृष्टि-बिहुल शीत ऋतु

### प्रलिस के लयः

पश्चमी वकषोभ, ला नीना ।

### मेन्स के लयः

ला नीना मौसम पैटर्न तथा भारत के मौसम पर उनका प्रभाव ।

## चर्चा में क्यों?

भारत, वशेष रूप से उत्तर भारत में वर्ष 2021-22 की शीत ऋतु असामान्य रूप से अत्यधिक ठंडी और लंबी अवधिकी रही है एवं दनि के दौरान सामान्य से अधिक ठंड देखी गई ।

## प्रमुख बदि

### ■ असामान्य ठंड और वृष्टि-बिहुल शीतऋतु के बारे में:

#### ○ अत्यधिक ठंड:

- दसिंबर 2021 के बाद से उत्तर, उत्तर-पश्चमी और मध्य भारत के क्षेत्रों में तापमान लगातार सामान्य से नीचे बना हुआ है, जिसके परणामस्वरूप ठंडे दनि या "कोल्ड डे" की स्थतिबिन गई है । तकनीकी रूप से इसका मतलब एक दनि से अधिक की ठंड से होता है ।
- एक ठंडा दनि वह होता है जिसमें अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है, ऐसी घटना जो आमतौर पर भारत के उत्तरी मैदानी इलाकों में सर्दियों के महीनों के दौरान देखी जाती है ।

#### ○ वृष्टि-बिहुल शीत ऋतु:

- उत्तर भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान हल्की से मध्यम तीव्रता की वर्षा भी आमतौर पर देखी जाती है ।
- हालांकि इस वर्ष जनवरी माह में भारत के मध्य, उत्तर-पश्चमी, उत्तरी, पूर्वी और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वर्षा देखी गई है ।
- इस महीने कम-से-कम 24 राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों में अधिक बारिश दर्ज की गई है ।

#### ○ सामान्य से कम कोहरा :

- दसिंबर एवं जनवरी माह पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे (dense fog) के लयि जाने जाते हैं ।
  - जनवरी 2022 में राष्ट्रीय राजधानी सामान्य 292 घंटों के मुकाबले 252 घंटे कोहरे से प्रभावति रही है ।
- आईएमडी (IMD) के अधिकारियों ने कहा है कविर्तमान सर्दियों में दलिली में वर्ष 1991-92 के बाद से **सबसे कम कोहरा** दर्ज कयि गया है ।

### ■ कारण:

#### ○ पश्चमी वकषोभ:

- 25 जनवरी, 2022 तक सात पश्चमी वकषोभ भारत के ऊपर से गुज़रे हैं, ये सभी इतने मज़बूत थे कइसनेपाकस्तान और पूर्वोत्तर भारत के बीच बड़े भौगोलिक क्षेत्रों में व्यापक बारिश, बर्फबारी व अशांत मौसम की स्थतिपैदा हो गई थी ।
- इसके कारण उत्तरी महाराष्ट्र में ओलावृष्टि और तमलिनाडु में भारी वर्षा हुई ।

#### ○ ला नीना (La Niña):

- अधिक संख्या में पश्चमी वकषोभ ला नीना की घटना से जुड़े हुए हैं ।
- वर्तमान में मध्यम तीव्रता वाली ला नीना स्थतियों हैं जो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सामान्य समुद्री सतह के तापमान की तुलना में ठंडी होती हैं ।

#### ○ सुदूर उत्तर से ठंडी हवाएँ:

- पश्चमी वकषोभ के भारत को पार करने के बाद देश के सुदूर उत्तर से ठंडी हवाएँ नचिले अक्षांशों में प्रवेश कर रही हैं और तेलंगाना तथा महाराष्ट्र तक भी पहुँच सकती हैं, जिससे ठंडे मौसम व शीत लहर की स्थतिबिन जाती है ।

#### ○ नचिले बादल और नमी:

- नचिले बादलों की उपस्थिति और भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में नमी की मौजूदगी ने इसे ठंडे दनि की स्थिति और दनि के दौरान अनुभव किये जाने वाले अतिरिक्त सर्द के कारक हेतु अनुकूल बना दिया ।
- यह सीज़न का अब तक का सबसे लंबा और सबसे तीव्र चरण था ।

## पश्चिमी वकिषोभ

- **पश्चिमी वकिषोभ** को भूमध्य सागर में उत्पन्न होने वाले एक 'बहिरूषण उष्णकटबिंधीय तूफान' के रूप में चहिनति कया जाता है, जो एक नमिन दबाव का क्षेत्र है तथा उत्तर-पश्चिमी भारत में अचानक वर्षा, बर्फबारी एवं कोहरे के लिये ज़मिमेदार है ।
- यह वकिषोभ 'पश्चिमी' से 'पूर्व' की दशा की ओर आता है ।
  - ये वकिषोभ अत्यधिक ऊँचाई पर पूर्व की ओर चलने वाली '**वेसटरली जेट धाराओं**' (Westerly Jet Streams) के साथ यात्रा करते हैं ।
- वकिषोभ का तात्पर्य 'वकिषुबध' क्षेत्र या कम हवा वाले दबाव क्षेत्र से है ।
  - प्रकृति में संतुलन मौजूद है जिसके कारण एक क्षेत्र में हवा अपने दबाव को सामान्य करने की कोशिश करती है ।
- "बहिरूषण कटबिंधीय तूफान" शब्द में तूफान कम दबाव के क्षेत्र को संदर्भित करता है तथा "अतिरिक्त उष्णकटबिंधीय"का अर्थ है उष्णकटबिंधीय के अतिरिक्त । चूँकि पश्चिमी वकिषोभ की उत्पत्ति उष्णकटबिंधीय क्षेत्र से बाहर होती है, इसलिये "बहिरूषण कटबिंधीय" शब्द उनके साथ जुड़ा हुआ है ।

## ला नीना:

- **ला नीना** घटनाएँ पूर्व-मध्य वषुवतीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में औसत समुद्री सतही तापमान से नमिन तापमान की द्योतक हैं ।
  - इसे समुद्र की सतह के तापमान में कम-से-कम पाँच क्रमिक त्रैमासिक अवधि में 0.9° F से अधिक की कमी द्वारा दर्शाया जाता है ।
- जब पूर्वी प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में जल का तापमान सामान्य की तुलना में कम हो जाता है तो ला नीना की घटना देखी जाती है, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वी वषुवतीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में एक उच्च दाब की स्थिति उत्पन्न होती है ।
- भारत में ला नीना आमतौर पर सामान्य सर्दियों की तुलना में ठंडा और सामान्य से अधिक वर्षा के लिये ज़मिमेदार है ।

## स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/unusually-colder-and-wetter-winter>

